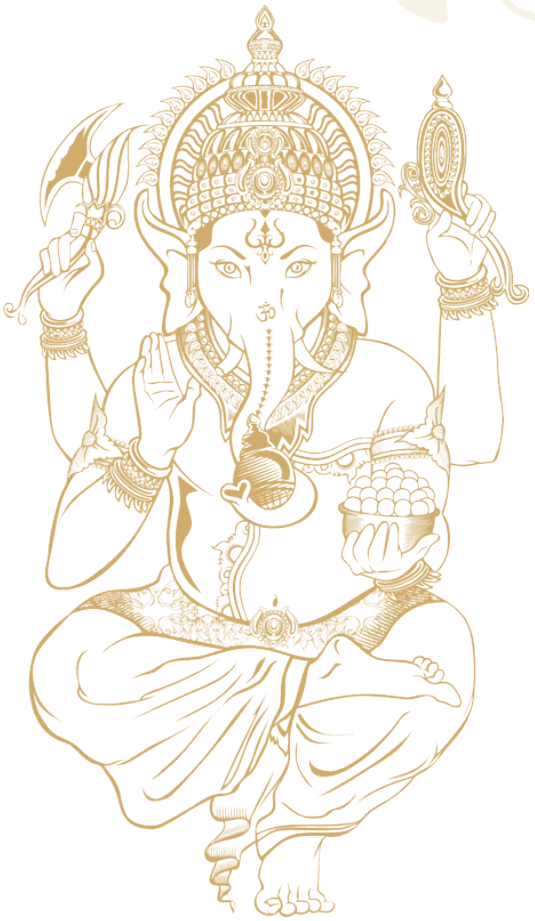

Durgesh Eshwari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121738302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/2026	जन्म तिथि	28/03/2026
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	16:10:00 घंटे
घटी 24:44:14	जन्म समय(घटी)	24:44:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:18	सूर्योदय	06:16:18
18:36:40	सूर्यास्त	18:36:40
24:13:31	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 0मा 15दि	12:09:31	सिंह	लग्न	सिंह	12:09:31	बुध 16वर्ष 0मा 15दि
बुध	13:32:17	मीन	सूर्य	मीन	13:32:17	बुध
28/03/2026	17:25:08	कर्क	चंद्र	कर्क	17:25:08	28/03/2026
12/04/2042	26:06:32	कुंभ	मंगल	कुंभ	26:06:32	12/04/2042
बुध 09/09/2027	16:50:04	कुंभ	बुध	कुंभ	16:50:04	बुध 09/09/2027
केतु 05/09/2028	21:20:32	मिथु	गुरु	मिथु	21:20:32	केतु 05/09/2028
शुक्र 07/07/2031	03:02:05	मेष	शुक्र	मेष	03:02:05	शुक्र 07/07/2031
सूर्य 12/05/2032	10:52:46	मीन	शनि	मीन	10:52:46	सूर्य 12/05/2032
चन्द्र 12/10/2033	14:32:13	कुंभ	राहु	कुंभ	14:32:13	चन्द्र 12/10/2033
मंगल 09/10/2034	14:32:13	सिंह	केतु	सिंह	14:32:13	मंगल 09/10/2034
राहु 27/04/2037	04:23:05	वृष	हर्ष	वृष	04:23:05	राहु 27/04/2037
गुरु 03/08/2039	07:50:41	मीन	नेप	मीन	07:50:41	गुरु 03/08/2039
शनि 12/04/2042	10:55:50	मक	प्लूटो	मक	10:55:50	शनि 12/04/2042

लग्न-चलित

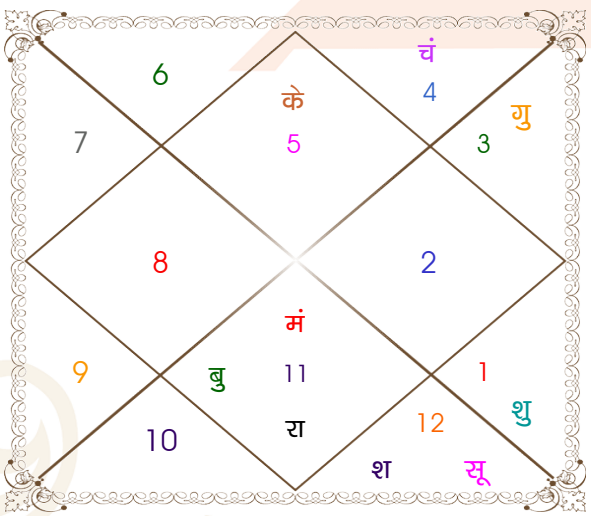

लग्न-चलित

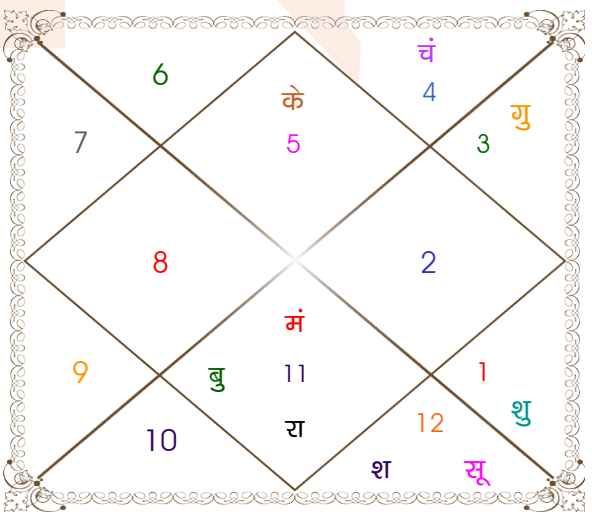

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Durgesh का वर्ग श्वान है तथा Eshwari का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Durgesh और Eshwari का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Durgesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Durgesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Durgesh कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Eshwari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Eshwari कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Eshwari कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Eshwari कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Durgesh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Durgesh तथा Eshwari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।